Ans. (c) : संत पीपा, रामानन्द के शिष्य थे। वह साकला देवी के उपासक थे। मुक्ति मार्ग की खोज में देवी का निर्देश पाकर यह वैष्णवाचार्य रामानंद की शरण में आये और परम वैष्णव बन गए। इन्होंने पर्दा प्रथा का विरोध किया। नारी अस्मिता स्थापित करने का प्रयत्न किया। दलितोंद्धार पर कार्य किया। इन्होंने राज्य का त्याग कर संत बनकर गुरु मंडली में सम्मिलित हो गये। ये गागरोन (झालाबाड़) के खींची (राजपूत) परिवार से रहे है।

802. एक शासक एवं सन्त पीपा किस स्थान से सम्बन्धित थे-

(a) आमेर (b) वाराणसी
(c) जायल (d) गागरौन

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (d) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

803. आसींद (भीलवाड़ा) निम्नलिखित में से किस लोक देवता से संबद्ध है?

(a) देवनारायण जी (b) मल्लीनाथ जी
(c) मेहा जी (d) रामदेव जी

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22

Ans. (a) : गुर्जरों के आराध्य लोक देवता ''देव नारायण जी'' का जन्म आसींद (भीलवाड़ा) में हुआ था। इनका मुख्य मंदिर भीलवाड़ा जिलें के आसीन्द में ही है। इस मंदिर में खीर और चूरमा का प्रसाद चढ़ा कर पूजा की जाती है। यहाँ पर नीम पत्ती पूजा में चढ़ायी जाती है।

804. तिलवाड़ा पशु मेला किस लोक देवता की स्मृति में आयोजित किया जाता है?

(a) पाबूजी (b) रामदेवजी
(c) तेजाजी (d) मल्लीनाथजी

कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) – तिलवाड़ा पशु मेला (बाड़मेर) मल्लीनाथ जी की स्मृति में आयोजित किया जाता है। यह मेला लूनी नदी के किनारे आयोजित होता है। इस मेले का संचालन पशुपालन विभाग द्वारा किया जाता है।

805. अभिलेखों के आधार पर राजस्थान में 8वीं शताब्दी के मध्य में किस देव की सर्वोच्च रूप से पूजा की जाती थी?

(a) शिव (b) विष्णु
(c) ब्रह्म (d) सूर्य

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—अभिलेखों के आधार पर राजस्थान में 8वीं शताब्दी के मध्य शिव की पूजा सर्वोच्च देव के रूप में की जाती थी।

806. मध्यकालीन मेवात के प्रसिद्ध सन्त थे–

(a) चरणदास (b) लालदास
(c) हरिरामदास (d) सुन्दरदास

उत्तर–(2)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—मेवात प्रदेश के अंतर्गत अलवर, भरतपुर, धौलपुर एवं करौली का पूर्वी भाग सम्मिलित है। अलवर राज्य के संत लालदास मेव जाति के थे। लालदास मध्यकालीन मेवात के प्रसिद्ध संत थे लालदासी सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ नगला (भरतपुर) में है जहाँ पर 1705 ई. में संत लालदास का देहान्त हुआ था। इस सम्प्रदाय के अनुयायी अलवर तथा भरतपुर जिलों में रहते हैं।

807. लोकदेवता मल्लीनाथजी का मंदिर कहाँ पर है?

(a) तिलवाड़ा (बाड़मेर) (b) नगला जहाज (भरतपुर)
(c) साथूँ गाँव (जालौर) (d) पँचोटा गाँव (जालौर)

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2012

व्याख्या – सिद्ध पुरुष मल्लीनाथ जी का जन्म 1358 ई. में मारवाड़ की राजपूत जाति में हुआ था। वे 1374 ई. में महेवा के शासक बने। वे संत अगम सी भाटी के शिष्य थे। इनका प्रमुख पूजास्थल तिलवाड़ा (बाड़मेर) में है। इन्हीं के नाम पर जोधपुर से पश्चिम का परगना मालानी कहलाता है।

808. क्षेत्रपाल राजस्थान की संस्कृति में एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है –

(a) ग्राम देवता के रूप में (b) ग्राम अधिकारी के रूप में
(c) एक उपासक के रूप में (d) एक संत के रूप में

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2015

व्याख्या – राजस्थानी संस्कृति में क्षेत्रपाल की मान्यता एक ग्राम देवता के रूप में है। खेत को जोतने-बोने के पूर्व एवं नये गृह निर्माण आदि के पूर्ण इनकी पूजा की जाती है।

809. लोकदेवता गोगाजी की जन्म स्थली है–

(a) गोगामेड़ी (b) ददरेवा
(c) रामदेवरा (d) खरनाल

MOTAR VAHAN UPNIRIKSHAN 15.09.2021

Ans. (b) : लोकदेवता गोगाजी की जन्म स्थली ददरेवा (चुरू) है। हिन्दुओं द्वारा इन्हें नागराज का अवतार तथा मुसलमानों द्वारा गोगापीर माना जाता है। ये महमूद गजनवी के समकालीन थे तथा गायों की रक्षार्थ वीरगति को प्राप्त हुए। हनुमानगढ़ में गोगामेड़ी इनका प्रमुख पूजास्थल है।

810. लोक देवता गोगाजी किस शासक के समकालीन थे?

(a) बाबर (b) मोहम्मद बिन कासिम
(c) महमूज गज़नवी (d) अलाउद्दीन खिलजी

House Keeper 2022_09.07.2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

811. राजस्थान के किस लोक देवता ने महमूद गजनवी से युद्ध किया?

(a) पाबू जी (b) संत पीपा जी
(c) जसनाथ जी (d) गोगा जी

कनिष्ठ अभियंता (सिविल)-2020
JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

812. लोकदेवता गोगाजी के 'थान' सामान्यतः किस पेड़ के नीचे पाये जाते हैं?

(a) खेजड़ी (b) पीपल
(c) बरगद (d) नीम

कनिष्ठ अनुदेशक (फीटर) परीक्षा -2018
प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)

Ans. (a) – गोगाजी राजस्थान के प्रसिद्ध लोकदेवता है जिन्हें जाहिर पीर के नाम से भी जाना जाता है। हनुमानगढ़ (राजस्थान) के शहर गोगामेडी का नाम इन्हीं के नाम पर रखा गया जहाँ भादों कृष्ण पक्ष की नवमी को गोगामेडी में गोगा जी देवता का मेला लगता है। लोकदेवता गोगाजी के 'थान' सामान्यतः खेजड़ी के पेड़ के नीचे पाये जाते है जहाँ मूर्ति एक पत्थर पर सर्प की आकृत्ति, अंकित होती है।